तटस्थता वक्र या उदासीनता वक्र का विश्लेषण (Indifference curve Analysis)

Dr. Jineshwar Paswan
Assistant professor
Deptt. of Economics
M.L.S. college, Sarisab-pahi, Madhubani
mob-No.- 9973592631

तटस्थता वक्र अथवा उदासीनता वक्र का विश्लेषण

परिचय :-

तटस्थता वक्र पर सर्वप्रथम विचार अंग्रेज अर्थशास्त्री 'एजवर्थ' ने 1881 ई० में किया, लेकिन इस विचार को विकसित करने का श्रेय 'पैरेटो' को है। जिन्होंने 1906 में अपने एक लेख में इस विचार को विकसित करने का प्रयास किया। 1915 में 'स्लटस्की' ने तटस्थता वक्र विधि में सुधार किया परन्तु तटस्थता वक्र विश्लेषण को वैज्ञानिक रूप 1934 ई० में 'प्रो० हिक्स' तथा आर. जी. डी. ऐलन ने अपने संयुक्त लेख 'A Reconsideration of the Theory of Value' में दिया। बाद में में सन 1939 में अर्थशास्त्री 'जे. आर हिक्स' ने अपनी पुस्तक 'Value of Capital' में तटस्थता वक्रों का वर्णन बहुत ही वैज्ञानिक ढंग से किया है।

प्रो० ऐलन तथा हिक्स आदि आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने मार्शल (Marshall) के उपयोगिता विश्लेषण के स्थान पर तटस्थता वक्र विश्लेषण का प्रयोग किया है।

तटस्थता वक्र विश्लेषण के आधार पर उपयोगिता या तुष्टिगुण की ~~[illegible]~~ परिमाणात्मक माप नहीं की जा सकती। इसमें केवल तुलना की जा सकती है अर्थात् उपभोक्ता केवल यह बता सकता है कि "उसे किसी एक वस्तु की तुलना में दूसरी वस्तु से उपयोगिता कम मिलती है" अथवा समान मिलती है या अधिक मिलती है"। उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण की रीति में (In method) उपभोक्ता (consumer) उपयोगिता के बजाय प्राथमिकता-क्रम को अपनाता है। अर्थात वह वस्तुओं को उनके महत्व के अनुसार क्रमबद्ध सजा लेता है"। प्राथमिकता-क्रम दो वस्तुओं बीच, पसन्दगी का प्रतीक माना जाता है। उपभोक्ता द्वारा निर्धारित प्रत्येक क्रम संतुष्टि के लिए एक निश्चित स्तर को बताता है और इन सभी क्रमों को I, II, III .... आदि क्रमवाचक संख्याओं द्वारा दर्शाया जाता है ——→ ——→ ——→

P.T.O

Scanned with CamScanner

तटस्थता वक्र क्या है ?
(What are Indifference curves ?)

तटस्थता वक्र वह वक्र है जिसका प्रत्येक बिन्दु दो वस्तुओं के ऐसे संयोगों को बताता है जिससे किसी उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है। इसलिए उपभोक्ता किसी विशेष संयोग के चुनाव रूचि नहीं व्यक्त करता अर्थात् तटस्थ रहता है। यही कारण है कि तटस्थता वक्रों को 'सम-संतुष्टि वक्र' (ISO utility curves) भी कहा जाता है।

परिभाषाएं (Definitions):- तटस्थता वक्र के संबंध में निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों ने परिभाषित की है जो इस प्रकार है — 1. ओ. के. ईस्थम के अनुसार, "यह मात्राओं के उन जोड़ों को प्रदर्शित करने वाले बिन्दुओं का मार्ग होता है जिनमें व्यक्ति तटस्थ होता है, इसी कारण इसे तटस्थ वक्र कहते हैं।"[1]

2. वाटसन के अनुसार, "तटस्थता सारणी दो वस्तुओं के ऐसे संयोग की एक सूची है जिसे सूची को इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है कि उपभोक्ता संयोगों के प्रति तटस्थ रहता है तथा किसी भी संयोग का चुनाव अन्य संयोगों के स्थान पर नहीं करता।"[2]

3. ए. के. शेफ के अनुसार, "किसी तटस्थता वक्र पर स्थित समस्त संयोग समान संतुष्टि का स्तर प्रदान करते हैं अर्थात् समान संतुष्टि वाले संयोग एक ही तटस्थता वक्र पर स्थित रहते हैं।"[3]

तटस्थता वक्र सूची (Indifference schedule):→ उपभोक्ता की दो या दो से अधिक उपभोग वस्तुओं की पसन्दगी के क्रम के आधार पर समान संतुष्टि प्राप्त करने वाले संयोगों की एक सूची तैयार की जाती है जिसे तटस्थता सूची कहते हैं। प्रो० मेयर्स के शब्दों में, "तटस्थता सूची दो वस्तुओं के ऐसे विभिन्न संयोगों की सूची होती है जो किसी व्यक्ति को समान रूप से संतुष्टि देते हैं।"[4] उदाहरणस्वरूप, — यहाँ सेब और संतरा दो वस्तुओं के विभिन्न संयोगों की एक सूची दी जा रही है जिससे उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है।

सारणी 1 — तटस्थता वक्र सूची

संयोग क्रम	सेब (X)		संतरा (Y)
A	1	+	20
B	2	+	14
C	3	+	10
D	4	+	08

तटस्थता वक्र (Indifference Curve) — तटस्थता सूची का चित्र करके हम सारणी-1 पर आधारित तटस्थता वक्र को चित्र 1 में दिखाया गया है

P.T.O

Scanned with CamScanner

(B)

→ चित्र 1 में OX-अक्ष पर सेब की इकाइयाँ दिखाई गई हैं जिनकी संख्या बायें से दायें की ओर बढ़ती है। OY-अक्ष पर संतरों की इकाइयाँ दिखलायी गई हैं। चित्र में A,B,C,D बिन्दु सेब तथा संतरों के विभिन्न संयोगों को व्यक्त करते हैं। A बिन्दु पर 20 संतरे तथा 1 सेब से उसे जितनी संतुष्टि मिलेगी, उतनी ही B बिन्दु पर 14 संतरे और 2 सेबों को प्राप्त करने पर मिलेगी अथवा C बिन्दु पर 10 संतरे और 3 सेबों से तथा D बिन्दु पर 8 संतरे और 4 सेबों से मिलेगी। यदि हम A B C तथा D बिन्दुओं को जोड़ दें तो IC पर तटस्थता वक्र मिल जाता है। इस वक्र पर जितने बिन्दु हैं, वे सेबों और संतरों के संयोगों को प्रकट करते हैं जो उपभोक्ता को समान संतुष्टि देते हैं और जिनके बीच उपभोक्ता तटस्थ रहता है।

तटस्थता मानचित्र (Indifference map) —

चित्र-01

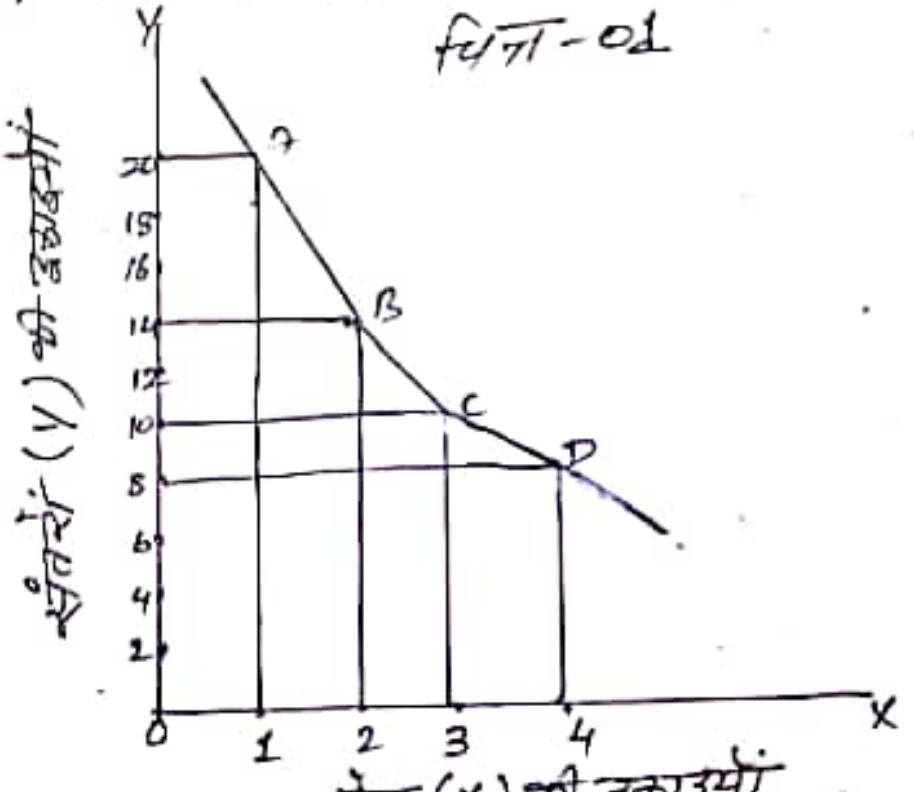

एक तटस्थता वक्र पर उपभोक्ता को एक समान संतुष्टि स्तर प्राप्त होता है। एक उपभोक्ता के एक ही नहीं बल्कि अनेक तटस्थता वक्र हो सकते हैं। प्रत्येक अलग-अलग स्तर होता है इस प्रकार अनेक संतुष्टि स्तरों को दर्शाने वाले अनेक तटस्थता वक्र मिलकर तटस्थता मान चित्र बनाते हैं।

Scanned with CamScanner